दिनांक :- 8/8/2022

दिन :- सोमवार

वर्ग-कार्य

सौ बरस जिएँ

सौ बरस जिएँ कविता हमारे पाठ्य-पुस्तक मुस्कान में है जिसमें सूर्य को सौ बरस जीने को कहा। सूर्य उदय पूरब में होता है और पश्चिम में अस्त होता है। सूर्योदय होते ही सभी मनुष्य अपने अपने काम में लग जाते हैं। चिड़िया चहचहाने लगती है। सूर्य को ईश्वर के नेत्र का उदय बताया गया है।

Scanned with CamScanner

Write on White
Date
Page

कठिन शब्द

१. मुस्कान
२. सहर्ष
३. संघर्ष
४. संकल्प
५. निर्मल
६. अमृत
७. आलोक
८. फूरब
९. वाणी
१०. पीयूष
११. उत्थान
~~१२. ३~~

4.4.22

Write on White
Date
Page

दिनांक :- ५/४/२०२२

दिन :- मंगलवार

वर्ग-कार्य

सौ बरस ~~जिए~~ जिएँ

शब्दार्थ

१. आलोक - प्रकाश, उजाला

२. पूरब - पूर्व दिशा

३. आलस - आलस्य

४. पगा - मग्न हुआ

५. बरस - वर्ष, साल

६. संघर्ष - कठिनाइयों से मुकाबला

७. वाणी - बोलचाल

Scanned with CamScanner

Write on White
Date
Page

८. श्रोता - सुनने वाला

९. पीयूष - अमृत, सुधा

१०. पतन - गिरावट, गिरना

११. उत्थान - उन्नति, ऊपर उठना

१२. जग - संसार, दुनिया

१३. दैव नयन - ईश्वर

१४. उत्साह - जोश

१५. सहर्ष - खुशी से

१६. संकल्प - पक्का इरादा

१७. निर्मल - गंदगी और बुराई से रहित

१८. शीतल - शांति प्राप्त होना

१९. क्षण - पल

Scanned with CamScanner

20. प्रण – प्रतिज्ञा

22. मार्ग – रास्ता, राह

Scanned with CamScanner

Date
Page

दिनांक :- 6/4/2022

दिन :- बुधवार

वर्ग - कार्य

सें बरस जिएँ

आलोक भरा जग को करता।
पूरक से नयन उगता॥
भागा आलस उत्साह जगा।
सौ साल जिएँ मन भाव पगा॥
होठों पर हम मुस्कान लिए।
सौ बरस जिएँ, सौ बरस जिएँ।
देखें सहर्ष संघर्ष सभी।
सच सुनने में डर हो न कभी।
मन में ऐसा संकल्प लिए।
सौ बरस जिएँ, सौ बरस जिएँ।
सौ बरसों हो वाणी निर्मल।
श्रोता का करती मन शीतल।

Scanned with CamScanner

Write on White
Date
Page

कानों से वह पीयूष पीए।
सौ बरस जीएँ, सौ बरस जीएँ।

जीवन का हर क्षण अमृत कण।
होगा न पतन लेते हैं प्रण।।
उत्थान मार्ग पर चरण दिए।
सौ बरस जिएँ, सौ बरस जिएँ।।

Scanned with CamScanner

Write on White
Date
Page

दिनांक :- २२/४/2022

दिन :- सोमवार

वर्ग-कार्य

सौ बरस जिएँ

१. प्रश्नों के ठीक उत्तर पर सही (✓) चिह्न लगाइए-

(i). प्रार्थना में ईश्वर का नेत्र किसे कहा गया है?

(ii). पूर्व से उदय

क. सूर्य को ☑

ख. चंद्रमा को ☐

ग. पर्वत को ☐

Scanned with CamScanner

घ. बादलको ☐

(ii) पूर्व से उदय होकर सूर्य कौन-सी दिशा में अस्त होताहै।

क. पश्चिम ☑

ख. उत्तर ☐

ग. दक्षिण ☐

घ. पूर्व ☐

(iii). सौ बरस जीने की इच्छा के साथ-साथ चेहरे पर क्या बनी रहनी चाहिए ?

क. उदासी ☐ ग. मुस्कान ☑

ख. घबराहट ☐ घ. चिंता ☐

Scanned with CamScanner

(iv) निर्मल वाणी में क्या नहीं होता

(क) सत्य ☐

ख. अपशब्द ☑

ग. ज्ञान की बात ☐

घ. मीठी बात ☐

(v) निर्मल वाणी सुनने वालों को लगता है कि वे अमृत पी रहे हैं

क. अमृत ☑

ख विष ☐

ग. दूध ☐

घ. चाय ☐

Write on White
Date
Page

Scanned with CamScanner

(vi) हमें किस रास्ते पर चलना चाहिए ?

क. पतन के ☐

ख. उन्नति के ☑

ग. आलस्य के ☐

घ. पहाड़ के ☐

Scanned with CamScanner

दिनांक:- २१/४/२२

दिन :- मंगलवार

वर्ग-कार्य

② राजा शंखपीठ

राजा का नाम शंखपीठ था। वह बहुत ही सनकी था। सनकी ऐसा था कि बात-बात में फांसी की सजा सुना देता था। उसके हर सवाल का जवाब सही नहीं होता तो वह सनक जाता था। जब किसी से गलती हो जाये तो उसे मृत्युदंड दे दिया जाता था

Scanned with CamScanner

एक बार झपकू नामक सफाई कर्मचारी से फूलदान टूट गया था। तो रचना ने उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई। झपकू ने कहा कि मैं दोनों फूलदान तोड़ देता हूँ ताकि ~~वह सजा~~ उसकी सजा भी मुझे मिल जाय।

दिनांक :- १८/४/२०२२

दिन :- सोमवार

वर्ग - कार्य

२. राजा शंखपीठ

कठीन शब्द :-

१. दरबारियों	९. इकट्ठा	१७. स्वर्ण
२. सख्त	१०. फ़ारस	१८. मुद्राएँ
३. तसल्ली	११. खूबसूरत	
४. विभूति चंद्र	१२. फौरन	
५. महामूर्ख	१३. शयनकक्ष	
६. बुद्धिमान	१४. बेशकीमती	
७. अट्टहास	१५. कष्ट	
८. उदाहरण	१६. झेलेंगे	

दिनांक :- १८/४/२०२२

दिन :- सोमवार

गृह-कार्य

(२) राजा शंखपीठ

शब्दार्थ

१. सनकी — झक्की

२. अक्ल — बुद्धि

३. परम — सर्वाधिक, सबसे अधिक

४. अट्टहास करना — ठहाका लगाकर हँसना

५. यकीन — विश्वास, भरोसा

६. मेहरबानी — कृपा, दया

७. एतराज — आपत्ति

Scanned with CamScanner

Write on White
Date
Page

८. बेशकीमती – बहुमूल्य

९. चूक – गलती

१०. कोहराम – दुःख में रोना चिल्लाना

११. असीम – बेहद, सीमाहीन

१२. बेकसूर – निर्दोष

१३. तसल्ली – संतोष

Scanned with CamScanner

दिनांक :- २९/४/२०२२

दिन :- मंगलवार

गृह-कार्य

②. राजा शंखपीठ

चित्र

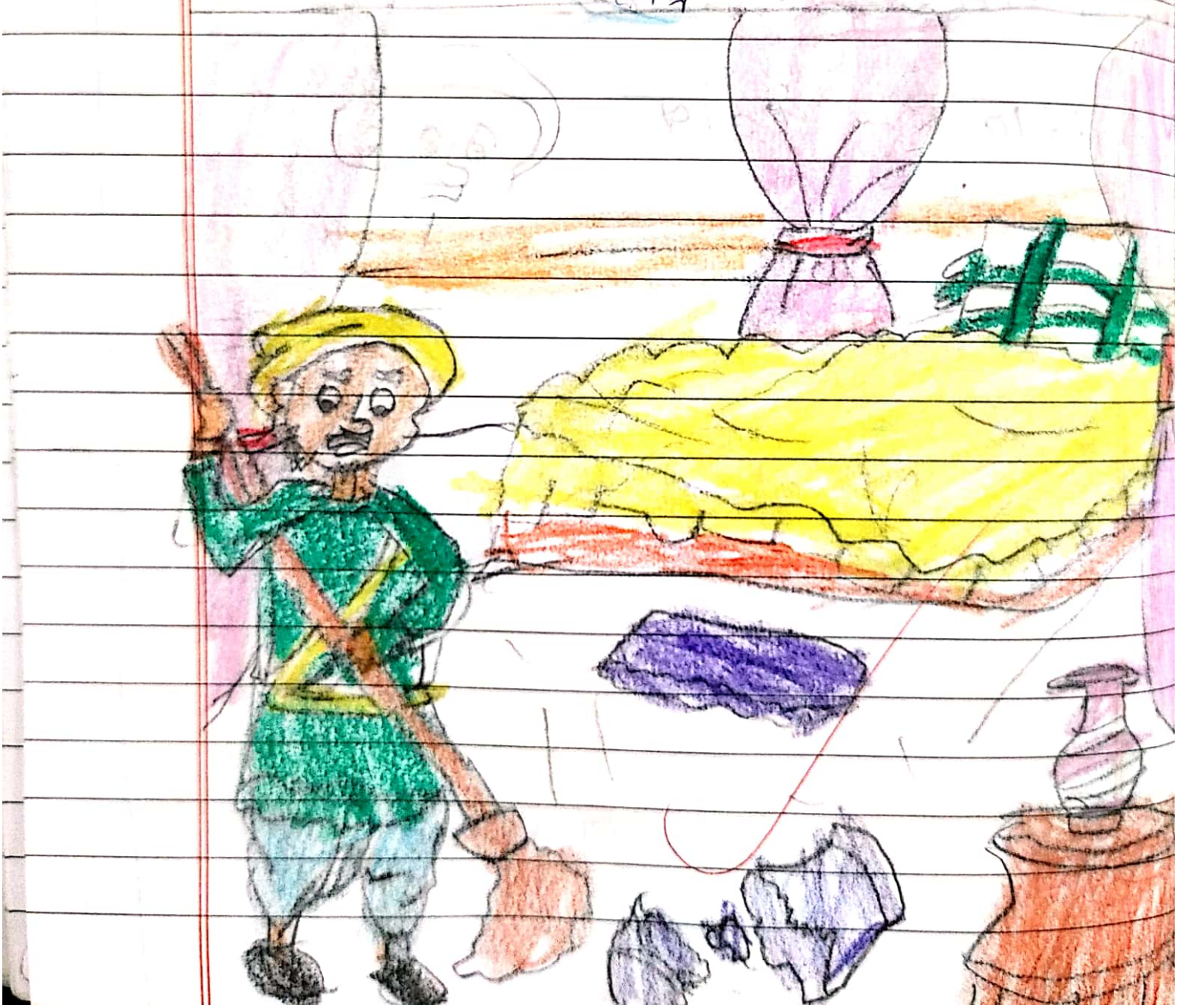

Scanned with CamScanner

Date
Page

दिनांक :— 20/4/2022

दिन :— बुधवार

गृह-कार्य

③ राजा शंखपीठ

क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :—

क सजा सुनकर मंत्री के हँसने से राजा को क्या लगा ?

उत्तर सजा सुनकर मंत्री के हंसने से राजा को लगा कि मंत्री उसकी हंसी उड़ा रहा है और वह पागल हो गया है।

ख. काँच का फूलदान कैसे टूटा ?

Write on White
Date
Page

उत्तर:- काँच का फूलदान अपक्व नामक सफाई कर्मचारी से सफाई करते वक्त टूटा।

ग: फाँसी की सजा सुनकर अपक्व की हालत कैसी हो गई थी?

उत्तर: फाँसी की सजा सुनकर अपक्व की हालत मरने जैसी हो गई।

घ: अपक्व की अंतिम इच्छा क्या थी?

उत्तर:- अपक्व की अंतिम इच्छा दूसरा फूलदान भी वही तोड़ेगा।

Scanned with CamScanner

प्र. राजा ने श्यक को इनाम क्यों दिया ?

उत्तर :- ~~श्यक को~~ राजा ने श्यक को इनाम दिया क्योंकि उसने राजा की आँखें खोल दी थी।

Date
Page

दिनांक :- 20/4/2022

दिन :- बुधवार

गृह-कार्य

(2) राजा शंखपीठ

2. निम्नलिखित वाक्यों में असत्य कथन के सामने (असत्य) और सत्य कथन के सामने (सत्य) लिखित :-

क सही उत्तर ना देने पर राजा ने सभी को फाँसी की सजा देने की घोषणा की।

उत्तर सत्य

ख. राजा ने सैनिक को मंत्री :

Scanned with CamScanner

का सिर काट देने के लिए कहा।

उत्तर असत्य

ग. सजा ने धोबिन को

ग. सजा मिलते ही मंत्री जोर-जोर से रोने लगा।

उत्तर असत्य

घ. मंत्री ने राजा के प्रश्न का उत्तर उदाहरण सहित दे दिया।

उत्तर- सत्य

ङ. मंत्री को बाकी दरबारियों की कोई चिंता नहीं थी।

उत्तर असत्य

Scanned with CamScanner

Write on White
Date
Page

च: राजा ने पारस से एक फूलदान मँगवाया।

उत्तर सत्य

घ: राजा ने कहा कि इक्ष्वकू को तीन दिन बाद फाँसी पर चढ़ा दिया जाए

उत्तर:- सत्य

ज: मंत्री ने इक्ष्वकू के परिवार को राजा से मिलने के लिए कहा।

उत्तर:- असत्य

झ:- इक्ष्वकू ने दूसरे फूलदान को तो तोड़ने की अंतिम इच्छा जताई।

उत्तर:- सत्य

Scanned with CamScanner

Date ____
Page ____

अ राजा ने झपकू को तीन हजार स्वर्ण मुद्राएँ इनाम में दीं।

उत्तर असत्य

26.4.22

Write on White
Date
Page

दिनांक :- 26/4/2022

दिन :- मंगलवार

वर्ग-कार्य

② राजा शंखचीठ

वाक्य बनाओ

१. राजा - अकबर एक महान राजा थे

२. सनकी - राजा शंखचीठ बहुत सनकी था।

३. दरबार - राजा ने दरबारियों को दावत पर ~~बुलाएँ~~ पर बुलाया।

४. महा मूर्ख - मंत्री ने राजा को महा मूर्ख कहा।

Page

५. कड़वी :- नीम कड़वी होती है।

बुद्धिमान

६. ~~बूधीमान~~ :- बीरबल एक ~~बूधीमान~~ मंत्री थे।

27.4.22